No. of Printed Pages : 6 **MBG–002**

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

June, 2025

MBG-002 : DHARMA, KARMA AND YAJNA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.*

(ii) Attempt questions from both Sections as per instructions given.

Section—A

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×15=60*

1. "Action is a natural state of being." Explain.

2. Describe desire and sense of being a doer.
3. Describe the straightforward path of 'Karma'.
4. Explain the difference between 'jñānī' and 'ajñānī'.
5. Describe in brief the relation between Equanimity and Knowledge.
6. Write about the steps of the Gītā.
7. Describe Karmayoga.

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×10=40*

1. Clarify the concepts of Karma and Akarma.
2. Describe the idea of Avatarā on the basis of the Gītā.
3. Explain the nature of Bhagavān.
4. Write a note on the Psychology of delusion.

5. Write a note on Aṃhakāra.

6. Write a note on Saguṇa-Nirguṇa.

7. Explain the following :

न कर्मणामनारम्भान्नैष्कर्म्यं पुरुषोऽश्नुते।

न च संन्यसनादेव सिद्धिं समधिगच्छति॥

MBG–002

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.बी.जी.-002 : धर्म, कर्म एवं यज्ञ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) दानों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. "कर्म करना एक स्वाभाविक अवस्था है।" विवेचन कीजिए।

2. इच्छा और कर्ताभाव का वर्णन कीजिए।

3. कर्म के सरल मार्ग का वर्णन कीजिए।

4. ज्ञानी और अज्ञानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

5. समता और ज्ञान के सम्बन्ध का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

6. गीता के सोपानों का निरूपण कीजिए।

7. कर्मयोग का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. कर्म और अकर्म की अवधारणाओं को स्पष्ट कीजिए।

2. गीता के आधार पर अवतार का निरूपण कीजिए।

3. भगवान् के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. मोह के मनोविज्ञान पर टिप्पणी लिखिए।

5. अहंकार पर टिप्पणी लिखिए।

6. सगुण-निर्गुण पर टिप्पणी लिखिए।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

न कर्मणामनारम्भान्नैष्कर्म्यं पुरुषोऽश्नुते।

न च संन्यसनादेव सिद्धिं समधिगच्छति॥

× × × × ×